भ्रष्टाचार मुक्त भारत को जन समर्पण व न्यायप्रिय शासक की दरकार

मुनि सरल सागर जी महाराज से विशेष भेंट वार्ता

ज्ञान, ध्यान, तप में लीन होकर तीन दशकों से सतत् साधनारत दिगम्बर मुनिश्री सरल सागरजी महाराज ने अपने जीवन को सिद्धांतों के आधार पर जीना दृढ़ता से स्वीकार किया है । उन्हें प्रलोभन, प्रतिष्ठा, यश या अनावश्यक भक्तों की भीड़ की दरकार नहीं है । उनका धार्मिक, सामाजिक व्यवस्था के प्रति चिंतन स्पष्ट हैं, राजनीति में शुचिता के प्रति सीधी सटीक सिद्धांत आधारित अभिव्यक्ति देने वाले सरल सागरजी अपनी प्रशंसा या निंदा की चाह के बिना वही बोलते है जो समाज के बेहतर संचालन के लिये जरुरी है और धर्म सम्मत है । झांसी – ललितपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बबीना में बने रिषभ विहार के जिन मंदिर प्रांगण में वर्तमान में प्रवास कर रहे मुनिश्री सरल सागरजी महाराज ने निरंतर स्वाध्याय, शास्त्रों के अध्ययन और लोकेषणा से दूर अपने आत्म कल्याण के लिये शास्त्रानुकूल जीवन जीने का प्रयोगिक वातावरण बनाया हैं। यहां का शांत वातावरण , हरियाली, परमेश्वर की भक्ति से उत्पन्न विशुद्ध हवाएं उनकी साधना में सहयोग कर रही हैं तो वहीं पुण्यात्मा भक्तों में जीवन के विविध क्षेत्रों में शुचितापूर्ण मार्ग भी प्रशस्त कर रही हैं । – प्रवीण कुमार जैन, दैनिक विश्व परिवार, झांसी

बबीना । भारत से भ्रष्टाचार हटाना है तो वर्तमान चुनाव के तरीको को बदलना होगा, जाति, धन और बल के आधार पर चुना गया शासक कभी भी भारत की तस्वीर नहीं बदल सकेगा, शासक के अनुसार जनता आचरण करती है यथा राजा तथा प्रजा सूक्ति सही हैं, शासक को शासन की सम्पत्ति और निजी सम्पत्ति को भेद समझना होगा । शासन की सम्पत्ति शासन की है वह निजी की तरह प्रयोग करते हो तो कहां से भ्रष्टाचार मुक्त भारत और रामराज्य की कल्पना साकार होगी ?

आचार्य विद्यासागरजी महाराज के अनूठे शिष्य है मुनि श्री सरल सागरजी उन्हीं ने रिषभ विहार प्रांगण में दर्शनार्थ गए शिष्यों से यह बात कही । मुनिश्री ने कहा कि चाणक्य से निजी मुलाकात करने जो सज्जन आए तो चाणक्य ने जलता हुआ दीपक बुझा कर नया दीपक जलाया था, प्रकाश होते ही सज्जन ने दीपक बुझाने का कारण पूछा तो चाणक्य ने कहा कि अभी में शासन का कार्य कर रहा था, दीपक में तेल सरकारी है, आप से निजी मुलाकात में जो दीपक जला है वह मेरा निजी दीपक हैं । शासन के तेल का दुरुपयोग नहीं कर सकता । आज के जनप्रतिनिधियों, सरकार में बैठे लोगों को यह उनके जीवन के कल्याण का मूलमंत्र है । सरकार के पैसों का मूल्य समझिए, आये दिन समस्याओं को लेकर आंदोलन करना, आग लगाना, रेल, वाहन जलाना और सरकार की जन धन हानि करना सर्वथा अनुचित हैं, वह पैसा देश के नागरिकों द्वारा कर के रूप में अथवा अन्य सरकारी स्रोतों से है । जब आपको यह समझ आने लगेगी कि सरकारी धन सम्पत्ति को नष्ट करना अपने ही हाथ पैर काटने जैसा है, तब आप देश के समर्पित सपूत होंगे । प्रजातंत्र की सफलता का राज यह है कि देश के नागरिक अपने भारत के प्रति समर्पित हो, आप अकेले ही स्वच्छ, सुंदर, ईमानदार, कर्त्तव्यनिष्ठ भारत की तस्वीर पेश कर सकते हैं उन्होंने उदाहरण सुनाया कि एक विदेशी भारत के एक गांव में भ्रमण कर रहा था, उसने देखा यहां फल नहीं बिकते, तो कहा कि कैसा गांव है यहां खाने को फल भी नहीं मिलते, तभी एक बच्चे ने सुन लिया वह दौड़ कर गया और घर में जो फल रखे थे लाकर विदेशी को दे दिए, विदेशी व्यक्ति ने मूल्य पूछा तो लड़के ने इतना ही कहा कि इन फलों का मूल्य यह है कि अपने देश जाकर यह मत कहना कि वहां के गांव में फल नहीं मिलते। यह संदेश है कि जरूरी नहीं शासक, अधिकारी या जनप्रतिनिधि ही हमारे देश की छवि बनाएं, हरेक नागरिक इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है । अमेरिका का दूसरा उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि जब एक भारतीय सार्वजनिक बाथरूम में अपनी घड़ी भूल गया, कुछ घंटे बाद जब उसे याद आया तो उसने अपनी अमरीकी दोस्त से कहा कि मैं घड़ी बाथरुम में भूल गया था पता नहीं कौन चुरा ले गया होगा, तब उसकी मित्र रोने लगी, भारतीय ने कहा मत रो कोई बात नहीं तब उसने कहा कि मैं इसलिए नहीं रो रही कि आपकी घड़ी छूट गई हैं बल्कि इसलिए रो रही हूं कि आपने मेरे देशवासियों पर चोर होने का शक किया है । वस्तुत: आपकी घड़ी वहीं मिलेगी, और घड़ी मिल भी गई ।

जापान में हीरोशिमा और नागासाकी पर हमला हुआ सब कुछ तबाह हो गया था वहां, फिर से कैसे आबाद हो जापान यह पूछा गया तो सुना है कि बम बरसाने वालों ने कहा था कि देशवासियों में समर्पण का भाव पैदा कर दो और वहीं हुआ कुछ ही वर्षों में जापान फिर उठ खड़ा हुआ । तब कहना यह है कि अपने गांव, शहर, प्रदेश और देश के प्रति समर्पण जाग्रत करना होगा । वर्तमान परिस्थिति में सिद्धांतों की इतनी ऊंचाईयां सफल होना संभव है ? इस सवाल पर मुनि श्री कहते हैं कि हाँ है, शर्त यह है कि बुद्धिजीवी इन संदेशों को आत्मसात कर जन–जन तक पहुंचाएँ । जनप्रतिनिधियों के सांसद विधायक चुने जाने की वर्तमान प्रक्रिया को सिरे से नकारते हुए मुनिश्री का कहना है कि सब अधिकारी चुने जाने की परीक्षा है, उसकी तैयारी है तो फिर विधायक/सांसद/मंत्री कौन होगा इसका चुनाव भी योग्यता के आधार पर होना चाहिए न कि जाति, वर्ग, धन और बल के आधार हो । अगर शासक सिद्धांत आधारित मानवीय मूल्यों को समझने वाला और संवेदनशील होगा तो भारत ही क्या कोई भी देश हो वहां या वहां से आंतक, युद्ध, भ्रष्टाचार, अपराध नियंत्रित होंगे ही होंगे । अपना अमूल्य वोट देशहित में अवश्य करें ।

* विनम्र श्रद्धांजली *

श्री भागचंदजी जैन पवईवाले का देवलोकगमन दिनांक 7 जनवरी को इन्दौर में हो गया । आप अत्यंत ही सरल हृदयी एवं धार्मिक कार्यों में रुचि रखने वाले व्यक्तित्व थे । आपकी स्मृति में परिवारजनों ने समाज को 11000 रु. एवं गोलापलारीय दर्शन को 2100 रु. की राशि भेंट स्वरुप प्रदान की ।

श्री सुरेशचंदजी जैन का देवलोकगमन दि. 13 जनवरी को इन्दौर में हो गया । आप सरल स्वभावी व मिलनसार व्यक्ति थे । आपकी स्मृति में परिवारजनों ने समाज को 11000 रु. की राशि भेंट स्वरुप प्रदान की ।

श्री दीपचंदजी जैन का देवलोकगमन दि. 25 जनवरी को रायसेन में हो गया । आप गोलालारीय समाज के विशिष्ट व्यक्ति थे । आप जैन समाज कांग्रेस पार्टी व नगर पंचायत के आधार स्तंभ रहे है । आप गोलालारीय दर्शन पत्रिका के संरक्षक सदस्य थे । इन्दौर समाज को आपका मार्गदर्शन समय समय पर मिलता रहा । आपके मन में गोलालारीय समाज के सदस्यों के हितार्थ काफी कुछ करने की भावना थी । आपके निधन से संपूर्ण गोलालारीय समाज को अद्वितीय क्षति हुई है ।

श्रीमती रतनबाई जैन धर्मपत्नी स्व. श्री बालचंद जैन (बड़नगरवाले) का देवलोकगमन दि. 16 मार्च को भोपाल में हो गया । आप धर्मपरायण व सरल स्वभाव की महिला थी।

श्रीमती सुशीला जैन धर्मपत्नी स्व. श्री भागचंद जैन (बबीनावाले) का देवलोकगमन दि. 18 मार्च को गंजबासौदा में हो गया । आप सरल स्वभावी धर्मनिष्ठ महिला थी ।

गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से सादर श्रद्धांजलि ।

प्रथम पुण्य स्मृति : श्रीमती कुसुम मानोरिया

श्रद्धा सुमन

कुन्दनलाल जैन मानोरिया

पुत्र – श्रीमती लता राजेश जैन, श्रीमती मनीषा संजय मानोरिया

प्रपौत्र – श्रीमती सुरभि सिद्धार्थ जैन, सिद्धांत जैन, पारस, संस्कृति मानोरिया

पुत्रियां – श्रीमती पुष्पावेन कैलाशचन्द्र (अहमदाबाद)
श्रीमती स्नेहलता गणेशराम (बछौड़ा)
श्रीमती उषावेन श्रीचंद्र (अहमदाबाद)
श्रीमती किरण स्व. अनिल कुमार (भोपाल)
श्रीमती साधना अनंत स्नेही जमोरिया (नसीराबाद)

देह त्याग –
दि. 22 जनवरी 2018
सोमवार

स्मृति में – कुसुम कुन्दन जैन, मानोरिया धार्मिक एवं पारमार्थिक ट्रस्ट की स्थापना 25 लाख रुपये से की गयी । जिसके ब्याज से धार्मिक कार्य, सामाजिक कार्य, जरुरतमंद को शिक्षा, स्वास्थ्य आजीविका में सहयोग एवं पाठशालाओं को प्रोत्साहन के लिये सहयोग किया जायेगा ।

नोट – विधिवत जानकारी प्राप्त होने पर ही शोक संदेश का सचित्र प्रकाशन किया जावेगा । वाट्सएप्प नंबर 9406744064 पर जानकारी भेजे । 1 जनवरी 2019 के पश्चात प्राप्त शोक संदेशों का विवरण ही हम प्रकाशित कर रहे है । इसके पूर्व के शोक संदेशों का शामिल करने में हम असमर्थ है ।

वर्ष 2018-19 में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को सम्मानित करने हेतु आवेदन फार्म

वर्ष 2018–19 की परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थी निम्न प्रारुप में अपना विवरण 10 जून 2019 तक **गोलालारीय दर्शन** कार्यालय पर भेज सकते है।

विशेष : ● वर्ष 2018–19 की मेडिकल एवं इंजीनियरिंग व अन्य प्रवेश परीक्षा में उच्च रैंक प्राप्त करने वाले बच्चे अपनी जानकारी फोटो सहित भेजे।

● कक्षा 1 से 5 तक 90 % या ए2 ग्रेड ● कक्षा 6 से 8 तक 80 % या बी1 ग्रेड ● कक्षा 8 से स्नातकोत्तर या प्रोफेशनल कोर्सेस में 70 %/ बी2 ग्रेड या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी उक्त प्रारुप, अंक सूची की फोटोकॉपी के साथ **10 जून 18** तक निम्न पते पर भेंजे ताकि आगामी अंक में उन्हे उचित स्थान दिया जा सकें। प्राप्त अंक सूचीयों को वरीयतानुसार प्रकाशित करा जावेगा । उक्त प्रारुप की फोटो कॉपी भी कराई जा सकती है । **विशेष नोट** – अंक सूची पर पूर्णांक/प्राप्तांक /प्रतिशत/ओवर आल ग्रेड (फायनल ग्रेड) स्पष्ट रुप से लिखना अनिवार्य है। ● अंक सूची पर काट पीट या ओवरराइटिंग न करें। उक्त प्रारुप को पूर्ण रुप से स्पष्ट भरा होने पर ही प्रविष्टी मान्य होगी। ● वर्ष 2017–18 की अंकसूची ही स्वीकार होगी । स्नातक/ स्नाकोत्तर/ प्रोफेशनल कोर्सेस पूर्ण होने पर ही उसकी मार्कशीट की फोटोकॉपी भेंजे। ● अंकसूची की संपूर्ण फोटोकॉपी भेजे जिसमें ग्रेड निर्धारण का विवरण अनिवार्य रुप से होना चाहिए।

● अपूर्ण जानकारी, अंकसूची नहीं होने पर, आवेदन फार्म नहीं होने पर फार्म को निरस्त कर दिया जायेगा। फार्म भेजने का पता : ''**गोलालारीय दर्शन**'',
श्री गोलालारीय दि. जैन समाज न्यास, 16, महारानी रोड़, इन्दौर
* 64, न्यू देवास रोड़, इन्दौर –3
आप हमें पर भी ईमेल कर सकते है । संपर्क सूत्र – 9424013136

विद्यार्थी का नाम: _____ कक्षा_____

पिता/माता का नाम : _____

डाक का पूर्ण पता : _____
नगर के पिन कोड
फोन सहित देवे। _____

फोन/मोबाइल : _____

नवीन फोटो पर नाम व शहर का नाम लिखकर पिन लगाकर देवें

सदस्यता क्रं. लिखे

सदस्यता क्रमांक देखने के लिए पेपर पर चिपके आपके नाम के स्टीकर को देखें ।

कुल अंक: _____ **प्राप्तांक**_____ **प्रतिशत/ग्रेड** _____

विशेष उपलब्धि: _____

नोट – कक्षा 10वीं और 12वीं के विद्यार्थी अंकसूची प्राप्त न होने की दशा में इंटरनेट से प्राप्त अंकसूची की फोटोकॉपी भी भेज सकते है ।